MPPSC Mains-2014

M-2014-IV

सामान्य अध्ययन GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र FOURTH PAPER

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 200**

Time : 3 Hours ***Total marks : 200***

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश:
Instructions to the candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **03** प्रश्न हैं तथा **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
   This Question Paper consists of **three** questions and **all** questions are compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.
3. प्रश्न क्रमांक **1** में कोई आंतरिक विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।
   There is no internal choice in Question No. **01**, remaining questions carry internal choice.
4. प्रथम प्रश्न लघु-उत्तरीय है, जिसमें **15** अनिवार्य प्रश्न हैं। प्रत्येक का उत्तर एक अथवा दो पंक्तियों में देना है। प्रश्न क्रमांक **02** में शब्द सीमा **150** है।
   The first question is of short-answer type consisting of **15** compulsory questions. Each one is to be answered in **one** or **two** lines. For Question No. **02** word limit is **150** words.
5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका पालन करें।
   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.
6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखे। तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर ना लिखें।
   Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the question should be written together compulsorily and so answer of the other question should be inserted between them.
7. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की तथ्यात्मक तथा मुद्रण त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी में से अंग्रेज़ी रूपान्तर को मानक माना जायेगा।
   In case there is any error of factual nature or printing, then out of the Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघु-उत्तरीय प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिए: **15×3=45**

   Give answer of the following question in **one** or **two** lines:

   (A) लोक प्रशासन में नैतिक मूल्यों का क्या स्थान है?
   What is the place of moral values in Public Administration?

   (B) नैतिक मार्गदर्शक रूप में 'अंतरात्मा' को समझाइए।
   Explain the 'conscience' as source of ethical guidance.

   (C) बौद्ध-दर्शन के चार आर्यसत्य कौन-कौन से हैं?
   What are the Four Noble Truths of Buddhism?

   (D) 'द रिपब्लिक' के रचयिता कौन हैं?
   Who is the author of 'The Republic'?

Drishti IAS

(E) कौटिल्य के प्रसिद्ध ग्रंथ का नाम क्या है?

What is the well-known work of Kautilya?

(F) 'आर्य-समाज' के संस्थापक कौन हैं?

Who is the founder of 'Arya-Samaj'?

(G) गांधीजी के मतानुसार 'सत्याग्रह' का क्या अर्थ है?

What is the meaning of 'Satyagraha' according to Gandhiji?

(H) पं. दीनदयाल उपाध्यायजी के अनुसार 'एकात्म-मानववाद' का क्या अर्थ है?

What is the meaning of 'Ekatma-manave-vada' (Integral Humanism) according to Pt. Deena Dayal Upadhyaya?

(I) 'मनोवृत्ति' का अर्थ समझाइए।

Explain the meaning of 'Attitude'.

(J) 'प्रबोधक संप्रेषण' से क्या तात्पर्य है?

What is the purport of 'persuasive communication'?

(K) 'लोक-सेवा के प्रति समर्पण की धारणा' को स्पष्ट कीजिए।

Explain the 'concept of dedication to public service'.

(L) सहिष्णुता एवं अशक्त वर्गों के प्रति संवेदना का क्या अर्थ है?

What is the meaning of tolerance and compassion towards the weaker-sections?

(M) प्रशासन में 'सांवेगिक बुद्धि' का क्या स्थान है?

What is the place of 'Emotional Intelligence' in Administration?

(N) भ्रष्टाचार के प्रमुख प्रभावों (परिणामों) की विवेचना कीजिए।

Discuss the main effects of corruption.

(O) 'विसल-ब्लोअर' (Whistle-blower) की भूमिका से क्या आशय है?

What do you mean by role of Whistle-blower?

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न पर लगभग **150** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **15×6=90**

Write short notes on following questions in **150** words (on each):

(A) (a) 'उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता'

'Accountability and Transparency'

अथवा/OR

लोक-सेवकों हेतु आचरण संहिता।

Code of conduct for civil servants.

(b) संत कबीर के मानवीय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता।

Relevance of humanistic view of St. Kabir.

अथवा/OR

तुलसीदासजी के काव्य में सामाजिक चेतना।

The social conscience in Tulsidasji's poems.

(c) भारतीय समाज के उत्थान में स्वामी विवेकानंद का योगदान।

Swami Vivekananda's contribution to upliftment of Indian society.

अथवा/OR

रवीन्द्रनाथ टैगोर का मानवधर्म।

The Humanism of Ravindra Nath Tagore.

(d) डॉ. भीमराव आंबेडकर का सामाजिक चिंतन।

Dr. Bhimrao Ambedkar's social thoughts.

Drishti IAS

अथवा/OR

मनोवृत्तियों में परिवर्तन को समझाइए।

Explain the changes in attitude.

(e) पूर्वाग्रह का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Prejudice.

अथवा/OR

लोक सेवा हेतु आधारभूत योग्यताओं और मूल्यों का परीक्षण करें।

Examine the aptitude and foundational values for Civil Service.

(B) (a) निष्पक्षता एवं असमर्थकवादी वस्तुनिष्ठता समझाइए।

Explain the impartiality and non-partisanship objectivity.

(b) प्रशासन में सांवेगिक बुद्धि की उपयोगिता एवं अनुप्रयोग।

The utility and application of Emotional Intelligence in Administration.

(c) भ्रष्टाचार के कारणों की विवेचना कीजिए।

Discuss the causes of corruption.

(d) लोक जीवन में 'भ्रष्टाचार' से क्या आशय है?

What is the meaning of 'corruption' in public life?

(e) भ्रष्टाचार को अल्पतम करने के उपाय।

Ways of minimizing corruption.

(C) (a) जैन-दर्शन के पाँच महाव्रत कौन-कौन से हैं?

What are the Five Great Vows of Jainism?

(b) राजा राममोहन राय के भारतीय समाज सुधार में योगदान।

Contribution of Raja Rammohan Roy to reformation of Indian society.

(c) सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों के पालन के उपाय।

Ways of practising moral values in social life.

(d) श्री अरविंदजी का भारतीय आधुनिक तत्त्व-चिंतन को योगदान।

Sri Aurobindo's contribution to Modern Indian thought.

(e) गुरु नानकजी का दर्शन।

Philosophy of Guru Nanak.

3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयवस्तु पर आधारित प्रकरण:

Case Studies based on the contents of syllabus:

(A) प्रथम प्रकरण: **3 × 3 = 30**

विषय : लोकपाल और लोकायुक्त एक्ट-2013

भारतीय नागरिकों की समस्या और शिकायतों को हल करने के लिए 'एडमिनिस्ट्रेटिव रिफोर्म कमीशन (ARC)' की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए बहुत लंबे चर्चा-विचारणा के बाद भारतीय संसद (Indian Parliament) ने 'लोकपाल' और 'लोकायुक्त' बिल, 2013 में पास किया।

यह एक्ट 'भ्रष्टाचार विरोधी एक्ट' के रूप में जाना जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनेताओं और प्रशासन में विद्यमान अधिकारियों के भ्रष्टाचार के आरोपों के विषय में जाँच करना है। 'इन्कम टैक्स विभाग' (आयकार विभाग) और 'भ्रष्टाचार विरोधी संस्था' (Anti Corruption Bureau) के साथ मिलकर 'लोकायुक्त' राजनेताओं का और प्रशासकीय अधिकारियों का भ्रष्टाचार प्रकाश में लाने के लिए जनता का मदद रूप बनता है।

इस एक्ट के कारण कुछ नेताओं को और प्रशासनिक अधिकारियों को सजा मिल चुकी है। कुछ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

(A) First Case Study:

Sub : 'Lokpal' and 'Lokayukta' Act-2013.

Drishti IAS

Indian Parliament, keeping in mind recommendations of 'Administrative Reforms Commission (ARC)' to solve the problems and complaints of citizens of India, after long deliberations, passed the 'Lokpal' and 'Lokayukta' Bill in 2013.

It is known as 'Anti Corruption Act (or Bill). The main purpose of this Act is to investigate allegations of corruption against politicians and Government officers. 'Lokayukta', along with 'Income Tax Department' and the 'Anti Corruption Bureau' mainly helps people publicise corruption among the politicians and Government officials.

Because of this Act, few politicians and Government officers are already punished and some are facing corruption charges.

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Answer the following questions in the light of above-mentioned topic:

(a) क्यों एडमिनिस्ट्रेटिव रिफोर्म कमीशन ने इन दो संस्थाओं की स्थापना के लिए सिफारिश की?

Why ARC has recommended to establish these two institutions?

(b) क्या भारतीय प्रशासन प्रणाली में पारदर्शिता का न होना भ्रष्टाचार के लिए उत्तरदायी है?

Is non-transparency in the Indian Administrative System responsible for corruption?

(c) क्या राजकीय और प्रशासकीय स्तर पर भ्रष्टाचार को रोकने में लोकायुक्त सफल हो सकता है?

Will Lokayukta be successful in controlling corruption in political and administrative levels?

(B) प्रकाण द्वितीय **5×7=35**

विषय : 2G स्पेक्ट्रम घोटाला

2G स्पेक्ट्रम घोटाला दूरसंचारों का (Telecommunications) घोटाला है। यह राजकीय घोटाला है जिसमें अनेक राजनेता और प्रशासकीय आधिकारी समाविष्ट हैं। यह घोटाला 2008 में शुरू हुआ जब नौ दूरसंचार कंपनियों को स्केर्स स्पेक्ट्रम (Scarce Spectrum) और लाइसेन्स दिया गया।

इस घोटाले में निम्न प्रदर्शित विषय सामने आये हैं:

(a) 2008 में प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों को बहुत ही सस्ते में 2G लाइसेन्स दिए गए हैं।

(b) (i) इस घोटाले से सरकार को ₹ 1.76 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

(ii) सी.बी.आई. (CBI) चार्जशीट (2 अप्रैल, 2011) के अनुसार सरकार को ₹ 309845.5 मिलियन (US $ 7 billion) का अनुसार हुआ है।

(c) लाइसेन्स मंजूर करते समय नियम और पद्धति को नजरअंदाज किया गया है।

(d) जिन कंपनियों को दूरसंचार का पूर्व अनुभव ही नहीं है, उनको भी लाइसेन्स दिया गया है।

(I) लाइसेन्स देने में पक्षपात किया गया हैं

(B) Second Case Study:

Sub: 2G Spectrum Scam

The 2G-Spectrum Scam is Telecommunications scam. It is a political scam or scandal in which several politicians and Government officials are involved. The scam began in 2008 when nine Telecom Companies were issued Scarce Spectrum and licenses.

The following issues are surfaced:

(a) 2G licenses are issued to private telecom players at throw-away prices in 2008.

(b) (i) Spectrum scam has cost the Government ₹1.76 lakh crores.

(ii) According to CBI charge-sheet (2nd April, 2011) loss is at ₹309845.5 million (US $ 7 billion) to government.

(c) Rules and procedures are flouted while issuing licenses.

(d) Some companies got licenses without any prior telecom experience.

(e) Partiality is shown while issuing licenses.

उक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Answer the following questions in the light of above-mentioned topic:

Drishti IAS

(a) भारत में इस तरह के घोटालों का मूलभूत कारण क्या है?

What is the fundamental reason for such kind of scams in India?

(b) क्यों सरकार इस तरह के घोटालों को नियंत्रित करने में असमर्थ है?

Why Government is unable to control such scams?

(c) इस तरह के प्रकरणों में 'विसल-ब्लोअर' (Whistle-blower) की क्या भूमिका है?

What is the role of 'Whistle-blower' in such cases?

(d) इस तरह के नुकसान को कौन भरेगा?

Who is going to pay for such great loss?

(e) इस तरह के घोटालों के नियंत्रण में जनता और प्रसार माध्यम की क्या भूमिका हो सकती है?

What will be the role of people and media in controlling such kind of scam?

Drishti IAS